



# 寓言大王

献民 编著



© 国际文化出版公司

猫头  
6

# 寓言大王

献民 编著

国际文化出版公司

## 图书在版编目 (CIP) 数据

寓言大王/献民编著. 北京: 国际文化出版公司,  
1998. 7

ISBN 7-80105-651-5

I. 寓… II. 献… III. 寓言-作品集-世界 IV. I17

中国版本图书馆 CIP 数据核字 (98) 第 18186 号

## 寓言大王

---

编 著 献 民

策划编辑 李正堂

责任编辑 张 正

封面设计 王 斌

出 版 国际文化出版公司

发 行 国际文化出版公司

经 销 全国新华书店

印 刷 北京市彩桥印刷厂

开 本 787×1092 32 开  
6.25 印张 135 千字

版 次 1998 年 7 月第 1 版 2000 年 2 月第 2 次印刷

印 数 5001—8000 册

书 号 ISBN 7-80105-651-5/G·214

定 价 12 元

国际文化出版公司 地址

北京安定门内大街 40 号 邮编 100009

电话 64010831 64010840

小笔头大王系列丛书

主编：涑 源

编委：王培臣 王铁红

李新文 张 瑞

张国文 林 媛

周献明 郝振耀

涑 源 蒋心海

## 目 录

|               |      |
|---------------|------|
| 坎中之蛙 .....    | (1)  |
| 庖丁解牛 .....    | (2)  |
| 猫吃素 .....     | (3)  |
| 鱼之乐 .....     | (4)  |
| 人参汤 .....     | (4)  |
| 庄子妻死 .....    | (5)  |
| 骷髅 .....      | (6)  |
| 鲁侯养鸟 .....    | (7)  |
| 纪渚子训养斗鸡 ..... | (8)  |
| 丰狐文豹 .....    | (9)  |
| 口脚争 .....     | (9)  |
| 林回弃璧 .....    | (10) |
| 莫斫虎皮 .....    | (10) |
| 腾猿 .....      | (11) |
| 意怠 .....      | (11) |
| 射鹄的感悟 .....   | (12) |
| 黄公二女 .....    | (13) |
| 山鸡与凤凰 .....   | (14) |
| 田文得玉 .....    | (15) |
| 丈人取名 .....    | (16) |
| 偷金者 .....     | (16) |
| 涓蜀梁 .....     | (17) |
| 荆人遗弓 .....    | (18) |

|              |      |
|--------------|------|
| 让鼠蜂 .....    | (18) |
| 腹醇杀子 .....   | (19) |
| 勇士割肉 .....   | (20) |
| 竭池求珠 .....   | (21) |
| 伯乐助卖 .....   | (21) |
| 两虎相斗 .....   | (22) |
| 说猪 .....     | (22) |
| 楚王夸台 .....   | (23) |
| 陶朱公审案 .....  | (24) |
| 赵襄子饮酒 .....  | (25) |
| 俭啬佬 .....    | (26) |
| 愚人集奶 .....   | (27) |
| 对牛弹琴 .....   | (27) |
| 翠鸟移巢 .....   | (28) |
| 虞氏 .....     | (29) |
| 青蛙与晨鸡 .....  | (30) |
| 五十步笑百步 ..... | (30) |
| 坟间讨食 .....   | (31) |
| 猫头鹰得腐鼠 ..... | (32) |
| 愚公移山 .....   | (33) |
| 亡铁者 .....    | (34) |
| 杞人忧天 .....   | (35) |
| 九方皋相马 .....  | (36) |
| 两小儿辩日 .....  | (37) |
| 妻不容 .....    | (38) |
| 亡财疑邻 .....   | (38) |

|              |      |
|--------------|------|
| 楚人袭宋 .....   | (39) |
| 枯梧树 .....    | (39) |
| 澄子丢缁衣 .....  | (40) |
| 宋人御马 .....   | (40) |
| 宾卑聚自杀 .....  | (41) |
| 不肖生 .....    | (42) |
| 相马 .....     | (43) |
| 齐攻宋 .....    | (44) |
| 好猎者 .....    | (46) |
| 高繅 .....     | (46) |
| 相狗 .....     | (47) |
| 弥子瑕 .....    | (48) |
| 和氏之璧 .....   | (49) |
| 扁鹊见蔡桓公 ..... | (50) |
| 纣为象箸 .....   | (51) |
| 宋人献璞 .....   | (51) |
| 赵襄子学御 .....  | (52) |
| 涸泽之蛇 .....   | (53) |
| 不死药 .....    | (54) |
| 远水不救近火 ..... | (55) |
| 孟孙猎麋 .....   | (56) |
| 鲁人徙越 .....   | (57) |
| 种杨树 .....    | (57) |
| 杨朱过宋 .....   | (58) |
| 卫人教女 .....   | (58) |
| 狗吠杨布 .....   | (59) |

|             |      |
|-------------|------|
| 羿操弓 .....   | (59) |
| 三虱食猪 .....  | (60) |
| 齐王见河伯 ..... | (60) |
| 石邑深涧 .....  | (61) |
| 傻儿子 .....   | (62) |
| 蠢虫读书 .....  | (63) |
| 壁虎巧胜 .....  | (64) |
| 蚯蚓斗蜈蚣 ..... | (65) |
| 阎王与蛆 .....  | (66) |
| 火石 .....    | (67) |
| 狗性 .....    | (68) |
| 傻人买饼 .....  | (69) |
| 告荒 .....    | (70) |
| 不材之木 .....  | (71) |
| 亡羊 .....    | (72) |
| 卜食 .....    | (72) |
| 额有隐块 .....  | (73) |
| 汉阴丈人 .....  | (74) |
| 轮扁 .....    | (75) |
| 秋水 .....    | (76) |
| 西施病心 .....  | (77) |
| 庄子辞官 .....  | (78) |
| 鹤胎生 .....   | (79) |
| 伥鬼 .....    | (80) |
| 杨贵妃头骨 ..... | (83) |
| 西园如雨 .....  | (84) |

|               |       |
|---------------|-------|
| 画鬼最易 .....    | (85)  |
| 虞庆建房 .....    | (86)  |
| 卜妻为袴 .....    | (87)  |
| 郢人书燕 .....    | (88)  |
| 蜘蛛和蛇 .....    | (89)  |
| 鬼服人 .....     | (90)  |
| 觅凳脚 .....     | (91)  |
| 纪昌学射 .....    | (92)  |
| 燕人回国 .....    | (93)  |
| 朴不同璞 .....    | (94)  |
| 宋人学盗 .....    | (95)  |
| 子死不忧 .....    | (96)  |
| 邹忌比美 .....    | (97)  |
| 曾母投杼 .....    | (98)  |
| 棘尖雕猴 .....    | (99)  |
| 北人食菱 .....    | (100) |
| 土偶人与木偶人 ..... | (101) |
| 犬兔赛跑 .....    | (102) |
| 骥遇伯乐 .....    | (103) |
| 扁鹊见秦武王 .....  | (104) |
| 田骈不宦 .....    | (105) |
| 宋人名母 .....    | (106) |
| 国王求千里马 .....  | (107) |
| 宋人藏石 .....    | (108) |
| 鲁人好钓 .....    | (109) |
| 丞相嗜鱼 .....    | (110) |

|             |       |
|-------------|-------|
| 国王嫁女·····   | (111) |
| 景公不悦·····   | (112) |
| 宓子贱上任·····  | (114) |
| 楚人治狐·····   | (115) |
| 蒙人遇虎·····   | (116) |
| 九头争食·····   | (116) |
| 狙公·····     | (117) |
| 黔中好贿·····   | (118) |
| 求生得死·····   | (119) |
| 贤士与天鹅·····  | (120) |
| 白龙上诉·····   | (121) |
| 赵简子罢兵·····  | (122) |
| 西阇过东渡·····  | (123) |
| 哑巴说话·····   | (124) |
| 猫头鹰搬家·····  | (125) |
| 反裘负薪·····   | (125) |
| 埋两头蛇·····   | (126) |
| 易梁·····     | (127) |
| 富翁放生·····   | (128) |
| 吴人善渔·····   | (129) |
| 宋人为官·····   | (129) |
| 若石·····     | (130) |
| 三人入粪坑·····  | (131) |
| 元支祈与河伯····· | (132) |
| 雕与猫·····    | (133) |
| 养蜂丈人·····   | (134) |

|             |       |
|-------------|-------|
| 设渔者对智伯····· | (136) |
| 矮凳·····     | (138) |
| 灵公宠狗·····   | (139) |
| 鲁人取糟·····   | (140) |
| 鹭鸶和稻草人····· | (141) |
| 猴吃虎脑·····   | (142) |
| 痴武官·····    | (143) |
| 煮竹席·····    | (144) |
| 截竿入城·····   | (145) |
| 群虱·····     | (145) |
| 休妻·····     | (146) |
| 隐身叶·····    | (147) |
| 桑中李·····    | (148) |
| 哭不仕·····    | (149) |
| 司原猎猪·····   | (150) |
| 两匹马·····    | (151) |
| 鉴药·····     | (152) |
| 邻居五子·····   | (153) |
| 不卜则生·····   | (154) |
| 京师怪客·····   | (155) |
| 盐不咸·····    | (156) |
| 呆子拒盗·····   | (156) |
| 螺鱼食饵·····   | (157) |
| 只悔不改·····   | (158) |
| 蛛与蚕·····    | (160) |
| 惠施难梁王·····  | (161) |

|              |       |
|--------------|-------|
| 蚂蚁观螯.....    | (162) |
| 楚丘见孟尝君.....  | (163) |
| 魏王与中天台.....  | (164) |
| 白猪.....      | (165) |
| 瞎子笑.....     | (165) |
| 美脖.....      | (166) |
| 猫取名.....     | (167) |
| 致富术.....     | (168) |
| 隐身草.....     | (169) |
| 群蚁.....      | (169) |
| 两个盲乞.....    | (170) |
| 十家之邻.....    | (171) |
| 专治驼背.....    | (172) |
| 鹳鸟搬家.....    | (173) |
| 芮伯之过.....    | (174) |
| 北郭氏修房.....   | (175) |
| 工之侨与琴.....   | (176) |
| 樵夫戒马.....    | (177) |
| 狗喻.....      | (178) |
| 八哥学舌.....    | (179) |
| 蜗牛获胜.....    | (180) |
| 火与虎.....     | (181) |
| 畏影恶迹.....    | (182) |
| 求师学字.....    | (183) |
| 禁蚊子.....     | (184) |
| 一个鸡蛋的家当..... | (185) |

## 坎中之蛙

有只青蛙住在一口淤塞废弃的井里，多少年来独自在此享乐。

一天，它又跳上井栏玩乐，忽见一只大海鳖在附近爬行。青蛙忙叫住大海鳖，说：

“你看我多快活，高兴时我就跳到井口来观赏周围的风光，回到井底水只没到我的面颊、夹肢窝，我也不怕水淹，井里那些小蝌蚪、白色小虫子哪能比得过我呀！不信你过来看看嘛。”

大海鳖爬在井口，左脚正要往井里伸，右膝却被井栏绊住，它犹豫了一下，就往回退却，随后便对青蛙描绘海的情景，说：

“海呀，无边无际，水天茫茫，用千里万里也不能衡量它的大，用千丈万丈也不能测量它的深。大禹时代，十年九涝，海水不见增加；汤商年代，八年七旱，海水不见减少。海永远就是这个模样，不因为时间的短暂和长久、不因为水的多与少而有丝毫改变。居住在这样的地方，才是最快乐的啊！”

青蛙听罢，怅然若失，半天说不出话。

## 庖丁解牛

庖丁（厨师的古称）为魏惠王表演他分割牛的技术，但见他面对着一头刚宰杀的牛，手起刀落，哗哗啦啦几下子，一头完整的牛便切割成块，皮肉、骨头各归其位，运刀的摩擦声犹如音乐，优美动听；身子的动作好像舞蹈，节奏分明。

惠王禁不住拍手叫绝：“简直妙极了！你的技术怎么会这样好？”

庖丁放下刀，说道：

“我也是熟能生巧，慢慢掌握了规律，才能够这样超越一般的技术。刚开始，我眼里看到的，都是一头一头全牛，无从下手。三年过后，再看牛就不是一头全牛了。现在，我只以心神而不是用眼睛去看牛，感官的作用让位于精神的控制，达到随心所欲的地步。

“依据牛的天然生理状况，顺着它筋骨与关节的缝隙处进刀，根本不必用割什么，更别说是砍大骨头了。较好的厨师，才用刀割，一般的厨师，只会用刀费劲砍。如今19年了，我分解的牛有数千头，可你看我这刀刃，仍像新磨出来时一样锋利。

“当然，也会碰到肌理复杂、筋骨丛聚的情况，这时候我就会聚精会神，放慢动作，轻轻运刀分开骨头和筋肉，照样干得干净利索。随后我就浑身说不出的自在，心满意足地将

刀擦拭干净，以备下次再用。”

惠王听完庖丁的话，又是一番夸赞，并若有所悟地说：“好啊，从你的话里，我学到了养生的道理了。”

## 猫 吃 素

顽皮孩子在猫脖子上挂了一串念珠，老鼠看到念珠喜上眉梢，心想：“猫吃素了，这下我们可以安生了呀！”

于是，老鼠回到洞中，将一大帮儿子、孙子一大帮带到猫的面前，并且率先磕头作揖，向猫表示衷心的感谢。

猫却大叫一声，猛地扑向鼠群，一连咬食了好几只小鼠。

老鼠吓得屁滚尿流，连跑带蹦，好不容易逃了出来，回望身后那帮哭爹号娘、狼狈不堪的儿孙，吐吐舌头说：“乖乖，它吃素后更凶了！”

## 鱼 之 乐

庄子与朋友惠子在濠水的桥上游玩。

庄子说：“你看江中那白色小鱼悠闲自在，不急不缓地游动，多快活呀！”

惠子说：“你不是鱼，怎能知道鱼很快活呢？”

庄子反问：“你不是我，怎知道我不知鱼的快活呢？”

惠子说：“我不是你，诚然不能了解你，可你不是鱼，所以也不会体会到鱼的快乐，这一点不会错。”

庄子说：“请别转移话题。你本来的问题是‘你怎知道鱼儿快乐’，现在既然你已知道我在濠上很快乐，所以我也就知鱼在濠下也很快乐。”

## 人 参 汤

有个富贵公子，清早出门时，见一堆人围着一个倒地的人，不知在干什么。

富贵公子挤上前，好奇地问道：“这个人为何睡在这？”

围观的人说：“这人没饭吃，走不动了，倒在地上歇气呢。”

富贵公子说：“嗨，都怪他，为啥早上不吃一碗人参汤出门！”

## 庄子妻死

庄子妻子死了，惠子前往吊孝。

庄子两腿叉开坐在地上，敲击着瓦盆，高声地唱歌。

惠子问：“你和她作为夫妻，她把儿女抚养大了，如今年老身死，你不悲伤哭泣则罢，却敲盆而歌，岂不做得太过分了吗？”

庄子说：“你说得不对，她刚死时，我怎会没有痛苦？可我很快明白生死原本是一种自然现象。开始无所谓生命，没生命则没形体，没形体则没元气。先是恍恍惚惚、混混沌沌，而后有元气，有形体，方才有生命。如今，生转化成了死，这和春夏秋冬四时更替一模一样。倘若妻子因为死而安卧于天地之间，我却悲哀，这其实是有违天命，不懂得自然规律。这以后，我的态度也就变得乐观了。”